

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र०ग्वालियर

समक्ष — एम०के०सिंह

सदस्य

अपील प्रकरण क्रमांक 2126-तीन/2002 -विरुद्ध-आदेश दिनांक-21-6-2002- पारित
द्वारा — अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना — प्रकरण क्रमांक 328/2000-01 अपील

डिल्लीराम पुत्र निरपत वघेल

ग्राम शुक्लपुरा तहसील अटेर

जिला भिण्ड मध्य प्रदेश

---अपीलांट

विरुद्ध

1- रामदास 2- हवलदार पुत्रगण श्रीपाल

निवासी शुक्लपुरा तहसील अटेर जिला भिण्ड

---रिस्पा०

(अपीलांट के अभिभाषक श्री एस०के०अवस्थी)
(रिस्पा० के अभिभाषक श्री एस०के०शर्मा)

आ दे श

(आज दिनांक १०-१०-2016 को पारित)

यह अपील अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक
328/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 21-6-2002 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू
राजस्व संहिता, 1959 की धारा44के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि ग्राम शुक्लापुरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 698
है जिसका बंदोवस्त के पूर्व प्रथम खसरा नंबर था एवं बंदोवस्त के दौरान राजस्व
निरीक्षक ने सर्वे क्रमांक 698 को सर्वे क्रमांक 697 में सम्मिलित कर दिया। अपीलांट ने
तत्समय सहायक बंदोवस्त अधिकारी अटेर के समक्ष मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959





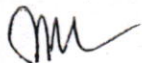
की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन देकर सुधार की माँग की। बंदोवस्त समाप्त होने के बाद प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी अटेर को हस्तांतरित होने पर प्रकरण क्रमांक 6/99-2000 अ-5 पर पंजीबद्ध हुआ। अनुविभागीय अधिकारी अटेर ने पक्षकारों को सुनकर आदेश दिनांक 23-11-2000 पारित किया तथा संहिता की धारा 115, 116 का अपीलांत का आवेदन स्वीकार कर नक्शा संशोधन के आदेश दिये। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, ग्वालियर के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 328/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 21-6-2002 से अपील स्वीकार की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह अपील प्रस्तुत की गई है।

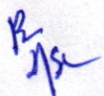
3/ अपील मेमो में अंकित आधारों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से स्थिति यह है कि अपीलांत ने अनुविभागीय अधिकारी अटेर के समक्ष मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन देकर बंदोवस्त के दौरान नक्शे में हुई त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि को सुधार करने की माँग की है एवं अनुविभागीय अधिकारी ने आदेश दिनांक 23-11-2002 के अंतिम पद में इस प्रकार संशोधन के आदेश दिये हैं :-

“ अतः आराजी नं. 698 को पूर्व नक्शा में मुताविक स्थिति कायम करने का अनुरोध किया है नये नक्शे में तदानुसार संशोधन चाहा है आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन मान्य किया जाता है। बंदोवस्त दौरान तैयार किये गये नक्शे में सर्वे नं. 698 को अलग से नया नंबर अंकित किया जावे। ”

अर्थात् अनुविभागीय अधिकारी ने आदेश दिनांक 23-11-2002 से संहिता की धारा 115, 116 के अंतर्गत नक्शा सुधार के आदेश दिये हैं। विचार योग्य है कि क्या संहिता की धारा 115, 116 के अंतर्गत नक्शा सुधार किया जा सकता है एवं नक्शे में संशोधन करने की शक्तियाँ अनुविभागीय अधिकारी को हैं ? मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 107 के अंतर्गत नक्शा तैयार/संशोधित किया जाता है तथा बंदोवस्त के समय

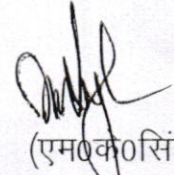




यह कार्यवाही बंदोवस्त अधिकारी द्वारा एवं बंदोवस्त समाप्ति के उपरांत कलेक्टर द्वारा की जाती है। तात्पर्य यह है कि नक्शा सँशोधन की शक्तियाँ अनुविभागीय अधिकारी को नहीं है अपितु कलेक्टर को हैं जिसके कारण अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना ने प्रकरण क्रमांक 328/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 21-6-2002 से अनुविभागीय अधिकारी के अधिकारिता विहीन आदेश को निरस्त किया है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपील सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 328/2000-01 अपील में पारित आदेश दिनांक 21-6-2002 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।

P/SC



(एम०के०सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर